राज
कॉमिक्स
विशेषांक
संख्या 0550
फरिश्ता
सुपरकमांडो ध्रुव
RAJ COMICS
राज
कॉमिक्स
BY MANOJ GUPTA
संस्थापक
श्रद्धांजलि
वर्ष 2021

राजनगर में तेजी से फैल रही नशे की लहर को ध्रुव ने रोकने की ठानी और इसी घटनाक्रम में नशे के एक सौदागर कोकी से टक्कर के दौरान ध्रुव के शरीर में भी नशा फैल गया और ध्रुव बेहोश हो गया। तब ध्रुव को कोकी के साथियों के हाथों से बचाया ध्रुव के एक प्रशंसक परब ने। अस्पताल में ध्रुव की हालत देखकर ध्रुव की मां ने ध्रुव को दुबारा गुंडे-बदमाशों के पीछे न जाने देने की ठाम ली। पर साइकॉलोजिस्ट ने एक चाल चली। उसनें परब पर अपने आदमी से हमला करवाया और वहीं पर ध्रुव को भी बुलवा भेजा। ऐन वक्त पर साइकॉलोजिस्ट ने ध्रुव पर नर्व गैस के कैप्सूल से हमला किया और ध्रुव, परब को नदी में गिरने से नहीं बचा पाया। इस घटना और नर्व गैस ने ध्रुव के दिमाग को शॉक देकर उसको कोमा में पहुंचा दिया। तब चंडिका बनी श्वेता ने साइकॉलोजिस्ट को सबक सिखाने का बीड़ा उठाया। और वह साइकॉलोजिस्ट के एक ऐसे नशे के अड्डे पर जा पहुंची जो ड्राइक्लीनिंग की दुकान की आड़ में चलता था। वहां पर चंडिका गुंडों की गिरफ्त में आ गई और तब उसको वहां पर बचाने आ पहुंचा एक नया सुपर हीरो फरिश्ता। चंडिका यह देखकर चौंक उठी कि फरिश्ता के लड़ने का ढंग बिल्कुल ध्रुव जैसा था। चंडिका को यह पता नहीं था कि फरिश्ता वही पोशाक पहने हुए था जो परब ने इसलिए डिजाइन की थी कि अगर कभी जरूरत पड़े तो वह फरिश्ता के रूप में अपराध से लड़े और यह पोशाक परब ने ध्रुव को भी तब दिखाई थी जब ध्रुव उसको धन्यवाद देने के लिए उसके घर पर आया था। गुण्डों को काबू में करके और उनसे साइकॉलोजिस्ट का पता पूछ कर फरिश्ता वहां से रवाना हो गया। शक के भंवर में घिरी चंडिका ने डॉक्टर सलमानी को फोन किया जिनकी निगरानी में ध्रुव को रखा गया था। चंडिका यह जानकर चौंक उठी कि ध्रुव तो अभी भी कोमा में ही था। परब की लाश तक का पता नहीं चला था। फिर कौन है राजनगर का यह नया सुपर हीरो... ☆

फरिश्ता

कथाः
जॉली सिन्हा

चित्र :
अनुपम सिन्हा

इंकिंग :
विनोदकुमार

सुलेख एवं रंगः
सुनील पाण्डेय

सम्पादकः
मनीष गुप्ता

☆ इन सब घटनाओं के बारे में जानने के लिए पढ़ें सुपर हीरो

क्योंकि-
ओऽऽऽऽ! मोबाइल पर कॉल आ रही है! रात के बारह बजे कौन श्वेता को फोन कर रहा है!
किसी बिल्डिंग की छत पर उतरना पड़ेगा!
पिंग पिंग पिंग
ओ गॉड! ओ गॉड! ये... ये तो मम्मी का फोन है! आज पहली बार मम्मी ने चंडिका को फोन किया है! न जाने क्या बात है?
जब भी मुझे गुंडों से लड़ना होता है तो मैं अपना मोबाइल ऑफ कर देती हूं। इसीलिए मम्मी को मेरा नंबर नहीं मिल रहा होगा। पर ये बात मम्मी को कैसे समझाऊं?
व... वो मम्मी, मैं ट्रैफिक जाम में फंसी हुई हूं! अभी जाम खुलने में वक्त लगेगा!
तब तक मैं साइकॉलोजिस्ट से निपटकर वापस आ जाऊंगी!
यस, मॉम! क्या बात है?
मॉम की बच्ची! पहले यह बता कि तू कहां पर है?
और तूने मोबाइल ऑफ क्यों किया हुआ था? पता है, मैं तुझे कब से फोन लगा रही हूं?
वो मम्मी! मैं हॉस्पीटल में थी। भइया के पास! और हॉस्पीटल में मोबाइल बंद करके रखने की हिदायत है!
मैंने हॉस्पीटल भी फोन किया था! वहां से तो तू एक घंटे पहले निकल चुकी है! अब तू कहां पर है?
बहाने मत बना! बता तू कहां पर है? मैं ड्राइवर को तुझे लेने के लिए भेजती हूं!
ओ... अ... मैं... वो...

तेरी बोलती क्यों बंद हो गई है? बता तू कहां पर है? मैं तुझे दस मिनट के अंदर-अंदर अपने सामने देखना चाहती हूं! समझी! चल बता!

ल... लो मम्मी! जाम खुल गया है! मैं चल रही हूं! चला न भई ऑटो वाले! हां, मम्मी मैं आ रही हूं!

दस मिनट में!

ये तो गड़बड़ हो गई! मम्मी तो बिल्कुल अड़ गई है! अब अगर घर न गई तो मम्मी को जवाब देते नहीं बनेगा! ठीक है! साइकॉलोजिस्ट की खबर लेने तो मैं लेट नाइट भी जा सकती हूं!

पर पता नहीं कि तब मुझको फरिश्ता वहां पर मिलेगा या नहीं!

डॉक्टर सलमानी ध्रुव की हालत देखकर परेशान थे-

तुम जाओ सिस्टर! अब रातभर मैं यहां पर रहूंगा! मुझको ध्रुव के कुछ ब्लड टेस्ट भी करने हैं!

ओ.के. सर! मैं नर्सिंग क्वार्टर्स में रहूंगी। जरूरत पड़े तो किसी भी वक्त बुलवा लीजिएगा।

ऐसी जरूरत नहीं पड़ेगी। आराम से जाकर सो जाओ! अब सुबह मुलाकात होगी!

ओ! ब्लड सैंपल में कुछ अद्भुत चीजें दिखाई दे रही हैं! ध्रुव के कोमा में जाने का कारण सिर्फ शॉक नहीं है! बल्कि कोई रहस्यमय नशीला पदार्थ भी है! मुझे इस पदार्थ का विश्लेषण करके इसका 'एंटीडोट' बनाना पड़ेगा! शायद उस एंटीडोट का इंजेक्शन लगने से ध्रुव होश में आ सके!

फिलहाल मैं ध्रुव के ब्रेनप्रिंट और कार्डियोग्राफ चेक कर लेता हूं!

ये रहा ध्रुव की ब्रेन एक्टिविटी का प्रिंट-आऊट! इसके हिसाब से तो ध्रुव का सिर्फ 'अचेतन मस्तिष्क' काम कर रहा है! दिमाग का वह हिस्सा जो सोए रहने पर भी शरीर की जरूरी क्रियाओं को कंट्रोल करता रहता है!
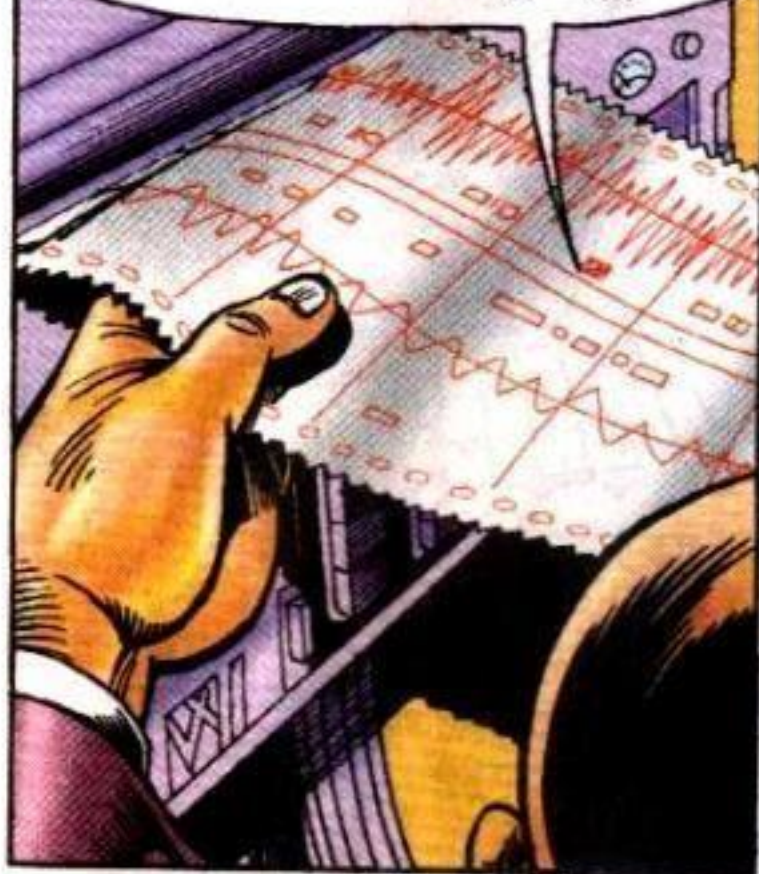
लेकिन इसके दिमाग का वह हिस्सा जो जगे रहने पर काम करता है यानी कि चेतन मस्तिष्क, वह एकदम शांत है! उसमें कोई हरकत नहीं है!
UNCONSCIOUS BRAIN
CONSCIOUS BRAIN
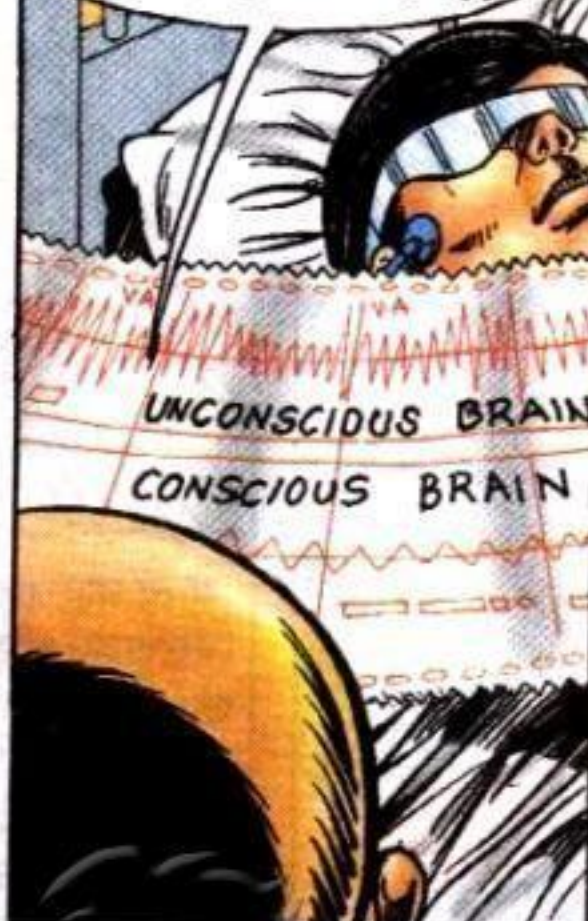
पर... पर... यह क्या? यहां पर तो दिमाग के दोनों हिस्सों की क्रिया एकदम शून्य हो गई है! वैसी ही जैसी कि इंसान के 'ब्रेन डेड' होने के वक्त होती है! पर... पर ये कैसे हो सकता है?
NO ACTIVITY
NO ACTIVITY
मुझे ध्रुव का 'कार्डियोग्राफ' यानी दिल की हरकत का चार्ट भी चेक करना होगा!
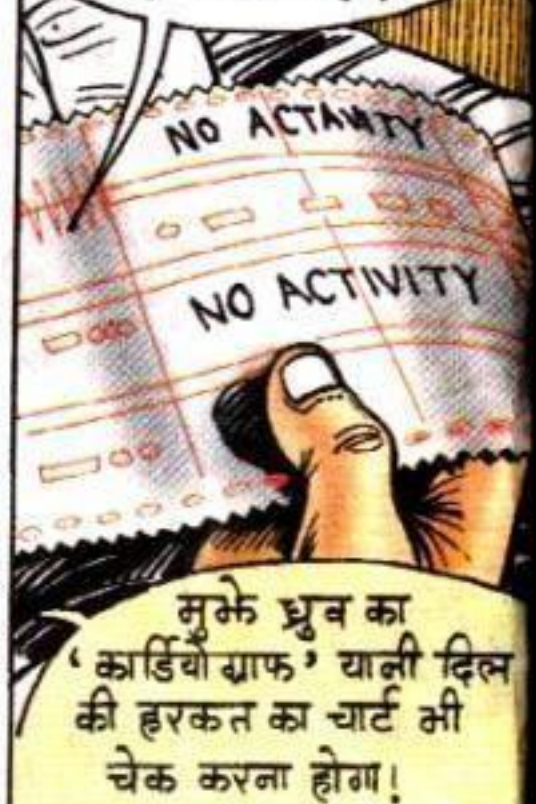
ओ माई गॉड! इस कार्डियोग्राफ के अनुसार तो उस दौरान ध्रुव के दिल की धड़कन भी बंद हो गई थी! यानी कुछ समय के लिए ध्रुव मृत हो गया था! यह तो शुक्र है भगवान का कि न जाने कैसे ध्रुव की शारीरिक क्रियाएं फिर से चालू हो गईं!
पर नशे की उस रहस्यमय दवाई का ऐसा असर भी हो सकता है, यह तो मैंने सोचा ही नहीं था!
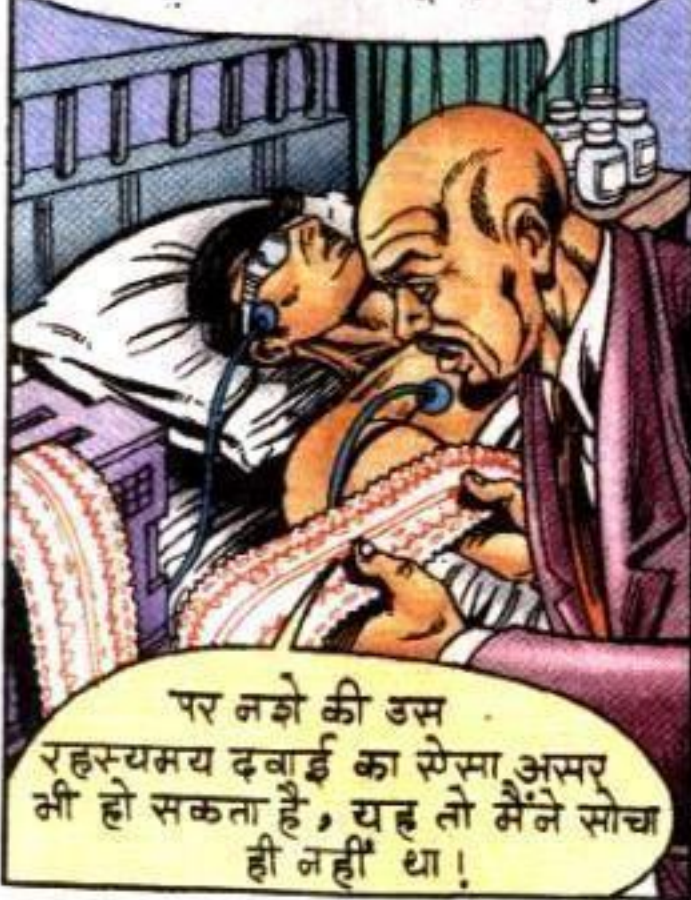
अब मैं नर्सों पर भरोसा नहीं कर सकता! मुझे ध्रुव पर खुद नजर रखनी होगी! चौबीसों घंटे!

और इससे पहले कि ध्रुव पर मृत्यु का खतरा दुबारा मंडराए, मुझको उस नशीली दवाई की एंटी डोट तैयार कर लेनी होगी जो ध्रुव के खून में मिलकर उसको मौत की तरफ ढकेल रही है!
डॉक्टर सलमानी ध्रुव को बचाने की पूरी कोशिश कर रहे थे-

लेकिन ध्रुव की बीमारी का फिलहाल मौजूद एकमात्र इलाज साइकॉलोजिस्ट के हाथ में था-
हम आग से खेल रहे हैं बॉस! अभी भी अगर ध्रुव होश में आ गया तो फिर हम पर कयामत टूट पड़ेगी!
मैंने ध्रुव के जिस्म में जो नशा दौड़ाया है, वह धीरे-धीरे उसके दिमाग की तंत्रिकाओं को खाता जा रहा है। ध्रुव अपने आप ही मौत की तरफ बढ़ रहा है!
हां, मैंने सुना है कि मेरा पुराना प्रतिद्वन्द्वी डॉक्टर सलमानी ध्रुव को ठीक करने की कोशिश कर रहा है। पर उसके पास भी मेरे काटे की काट नहीं है! तू निश्चिन्त रह!
एक बार मेरा प्लान सफल हो गया तो फिर मेरे एक-एक दुश्मन को रोकने के लिए मेरे पास सौ-सौ गुलाम होंगे! मेरे नशे के गुलाम।
और रही उस बच्चे फरिश्ते और चंडिका की बात तो उनकी मौत तो खुद उनको मेरे फार्म हाऊस 'हेवन' की तरफ बुला रही है!
फरिश्ता का तो पता नहीं लेकिन चंडिका अभी भी साइकॉलोजिस्ट से काफी दूर थी-
आ गई तू! थैंक गॉड!
तुम दोनों बच्चों ने तो मेरी जान निकाल-कर रखी हुई है!
अब मेरी बात ध्यान से सुन! आज तक तू जब भी गई जब भी आई मैंने तुझसे कुछ नहीं पूछा! ध्रुव से भी मैंने आज तक कुछ नहीं कहा था!
बस एक बार उसको रोका था! वह नहीं रुका! और इस वक्त वह कोमा में पड़ा हुआ है!
अब मैं और बर्दाश्त नहीं कर पाऊंगी! आज से तू जहां भी जाएगी मुझे बताकर जाएगी और दस बजे रात से पहले तू घर पर आ जाएगी!
ओ. के. मम्मी! मुझे पता नहीं था मेरे देर से आने पर आपको टेंशन हो जाएगी!
ठीक है, ठीक है! अब जाकर सो जा! कल सुबह-सुबह तू अस्पताल चली जाना!
मैं थोड़ी देर से अस्पताल पहुंचूंगी!

गुड नाइट, श्वेता!

सॉरी बेटी! पर मुझे पता है कि तू ध्रुव को मुझसे भी ज्यादा प्यार करती है! इसीलिए तेरे देर से आने का सिर्फ एक ही कारण हो सकता है! ध्रुव के हमलावरों की तलाश!

ओ नो! मम्मी को जरूर शक हो गया है! वर्ना वह मुझे बंद कभी नहीं करती! ओ गॉड! अब चंडिका कैसे जाएगी?

पर वे खतरनाक लोग हैं और तू एक अकेली लड़की! मैं अपने दोनों बच्चों पर एक साथ खतरा नहीं आने दे सकती!

और अस्पताल में-

डॉक्टर सलमानी!

व्हाट! क... कौन हो तुम?
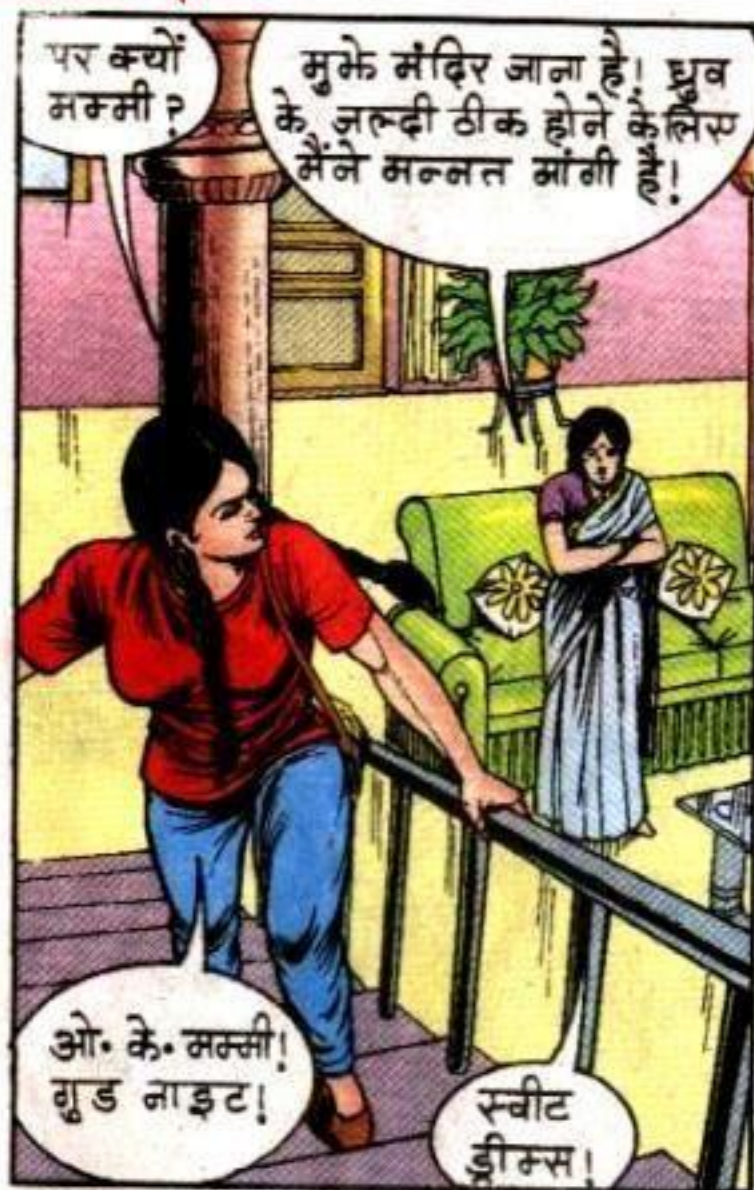
फरिश्ता!
तुम अंदर कैसे आ गए? और... और चाहते क्या हो तुम?
साइकॉलोजिस्ट से लड़ने में आपकी मदद! हर उन नशीली दवाओं की काट जो साइकॉलोजिस्ट अपने दुश्मनों पर आजमाता है!
मेरी एक ही एंटीडोट ऐसी कई दवाओं को काट सकती है।
वह एंटीडोट तो मैं तुमको दे दूंगा! पर साइकॉलोजिस्ट के पास तुम जाना क्यों चाहते हो?
मकसद सिर्फ एक ही है डॉक्टर सलमानी।

साइकॉलोजिस्ट के आतंकराज को खत्म करना! ताकि वह फिर किसी भी इंसान को ध्रुव जैसी हालत तक न पहुंचा सके!
कमाल है! फिर मैं तुम्हारी मदद जरूर करूंगा! लो, ये है वह एंटीडोट!
CENTRIFI
पर याद रखना! साइकॉलोजिस्ट को मारना मत! ध्रुव की यह हालत उसकी रहस्यमय दवाई के कारण हुई है! मुझे उससे उस दवाई की काट चाहिए!
ध्यान रखूंगा!
पर तुम साइकॉलोजिस्ट को ढूंढोगे कैसे?
मुझे पता है कि वह मुझे कहां मिलेगा!
बेस्ट ऑफ लक!
सच है! जब तक इंसान के अंदर अन्याय से लड़ने की इच्छा-शक्ति रहेगी तब तक दुनिया सुपर हीरोज से कभी खाली नहीं होगी!
एक जाएगा तो दूसरा आएगा!
फरिश्ता आएगा... अगर सुपर कमांडो ध्रुव जाएगा!
राजनगर का लोकी बॉर्डर-
HEAVEN farm
बाहर से तो इस फॉर्म हाउस में सब शांत नजर आता था-

लेकिन अंदर की चहल-पहल से यह जाहिर था कि ये शांति, तूफान आने के पहले की शांति जैसी थी-
हम जिसको ढूंढ रहे हैं वह है कैसा?
यह जानने की क्या जरूरत है? बस बाहर से जो भी आए उस पर पहले कुत्ते छोड़ दो!
और अगर भागने की कोशिश करे तो भून डालो! यही ऑर्डर है हमारे पास!
पर जो आएगा वह अंदर आएगा किधर से? चारों तरफ तो हमारे आदमी तैनात हैं! यहां पहुंचने से पहले ही घुसपैठिया मारा जाएगा!
वह बाद में मरेगा हम तो भूख से पहले ही मर जाएंगे!
समझ नहीं आ रहा है, साइकोलोजिस्ट बॉस तो खुद यहां से सामान समेटकर फूट लिया है!
अब यहां पर कोई आया भी तो उसे मिलेगा क्या?

मैं यहां देर से पहुंचा हूं! साइकॉलोजिस्ट यहां से निकल चुका है! पर वह कहां गया है, और क्या करके गया है, इसका पता तो सिर्फ यहीं से लग सकता है!
अब खाने का क्या करें? किचन में जो कुछ खाने का सामान था वह तो उस नौसिखिए रसोइए ने बनाते वक्त जला दिया है!

चल! किसी को भेजते हैं खाना लाने के लिए!

अरे! ये कुत्ता तुझसे कैसे छूट गया, लौंडी?
लौंडी! ओ लौंडी! कहां है तू?
धड़ाक

गो! वो ऊपर है! जिसकी हमें तलाश है वह ऊपर है! पेड़ पर! भून डालो इसे!

बता! साइकॉलोजिस्ट कहां गया है? क्या करने गया है? जल्दी बोल!

पेड़ की हर डाल को गोलियों से छलनी कर दो!

लेकिन ब्लौंडी भी तो है उसके साथ! वह भी मारा जाएगा!

कोई बात नहीं! अच्छे काम के लिए कुर्बानी तो देनी ही पड़ती है! ब्लौंडी शहीद होकर अमर हो जाएगा!

सुना तूने! अगर फटाफट बता देगा तो शायद मैं तुझे बचा लूं! बता!

साइ... साइकॉलोजिस्ट के बारे में सिर्फ एक आदमी जानता है! कठपुतला! वह यहीं पर है! इसी फॉर्म हाऊस में! उसको ढूंढ़ो!

गोली चलाओ!

पेड़ के अंदर छुपा शक्तिशाली बम फट पड़ा-
पेड़ का तना दो भागों में बंट गया-
और पेड़ की शाखाओं एवं पत्तों के साथ-साथ फरिश्ता और ब्लौंडी के शरीर भी हवा में उड़कर जमीन पर आ गिरे-
अरे! ये दोनों तो जिन्दा हैं! ये ब्लास्ट से कैसे बचे?
उस ओवरएक्टर की बेवकूफी से! पेड़ में बम लगा है, यह बात बताने के बाद इतने डायलॉग बोलने की क्या जरूरत थी!
मुझे बेवकूफ कहता है! इसने कठपुतला को बेवकूफ कहने की हिम्मत की! चिथड़े उड़ा दो इसके!
उसके डायलॉगों में लगे समय ने मुझे बचने का मौका दे दिया। मैं ब्लास्ट से पहले ही कूद चुका था।

मुझे बचाने के लिए शुक्रिया!
आऽऽऽ ह!
प्लीज डोंट मेंशन! तुमने भी तो कठपुतला का नाम बताकर मेरी मदद की है!
अब मुझको पहले गोलियों की बाढ़ से बचना है!
उसके बाद मैं कठपुतला को ढूंढ़ने की सोचूंगा!
धांय
धांय
तड़तड़तड़
पर बचूं कैसे? यहां पर न तो छुपने का कोई स्थान है और न ही बचने का कोई और तरीका है!
काश, इस वक्त चंडिका यहां पर होती!...
"... तो थोड़ी मदद मिल जाती-"
मैं दरवाजे का ताला तो आराम से खोल सकती हूं! पर मम्मी ने जरूर दरवाजे पर नजर रखी होगी!
मुझे दूसरे रास्ते से निकलना होगा!
और इस काम के लिए बाथरूम के एक्जास्ट फैन का यह छेद....
मदद रवाना हो चुकी थी-
...एकदम सही है! अब बस मम्मी को शक होने से पहले मुझे साइकॉलोजिस्ट को पुलिस के हवाले करके वापस आ जाना है!
लेकिन उस मदद को फॉर्म हाऊस तक पहुंचने में वक्त लगना था-

और वक्त एक ऐसी चीज थी जो फरिश्ता के पास नहीं थी-
गोलियों की झड़ी से फिलहाल मुझको वही चीज बचाएगी जो कुछ मिनटों पहले मुझे मारने वाली थी!
पेड़ का यह टूटा तना!
ओफ़! इतनी गोलियां बर्बाद कर रहे हो और एक भी निशाने पर नहीं लग रही हैं! और गोलियां दागो इस पर!
ओफ़! अब छत पर मौजूद गुंडे भी मुझ पर गोलियां चला रहे हैं!
इनके हाथों से भी बंदूकें गिरानी होंगी!

फरिश्ता का ध्यान बंट गया था-
और यह भूल उसको मंहगी साबित पड़ने वाली थी-
हा हा हा! अब ये चारों तरफ से घिर चुका है! भून डालो इसे!
भूनना, तलना, ये सब लड़कियों का काम है!
लेकिन ये काम काटने के बाद किया जाता है! इसलिए पहले मैं तुम्हारी कटाई करूंगी, फिर भुनाई!
अब ये कहां से आ गई?
चंडिका! तुम्हारी जरूरत बहुत ज्यादा महसूस हो रही थी!
अब तुम इनको संभालो! तब तक मैं इनके चीफ को ढूंढ़ता हूं!
चीफ यानी साइकोलोजिस्ट को?
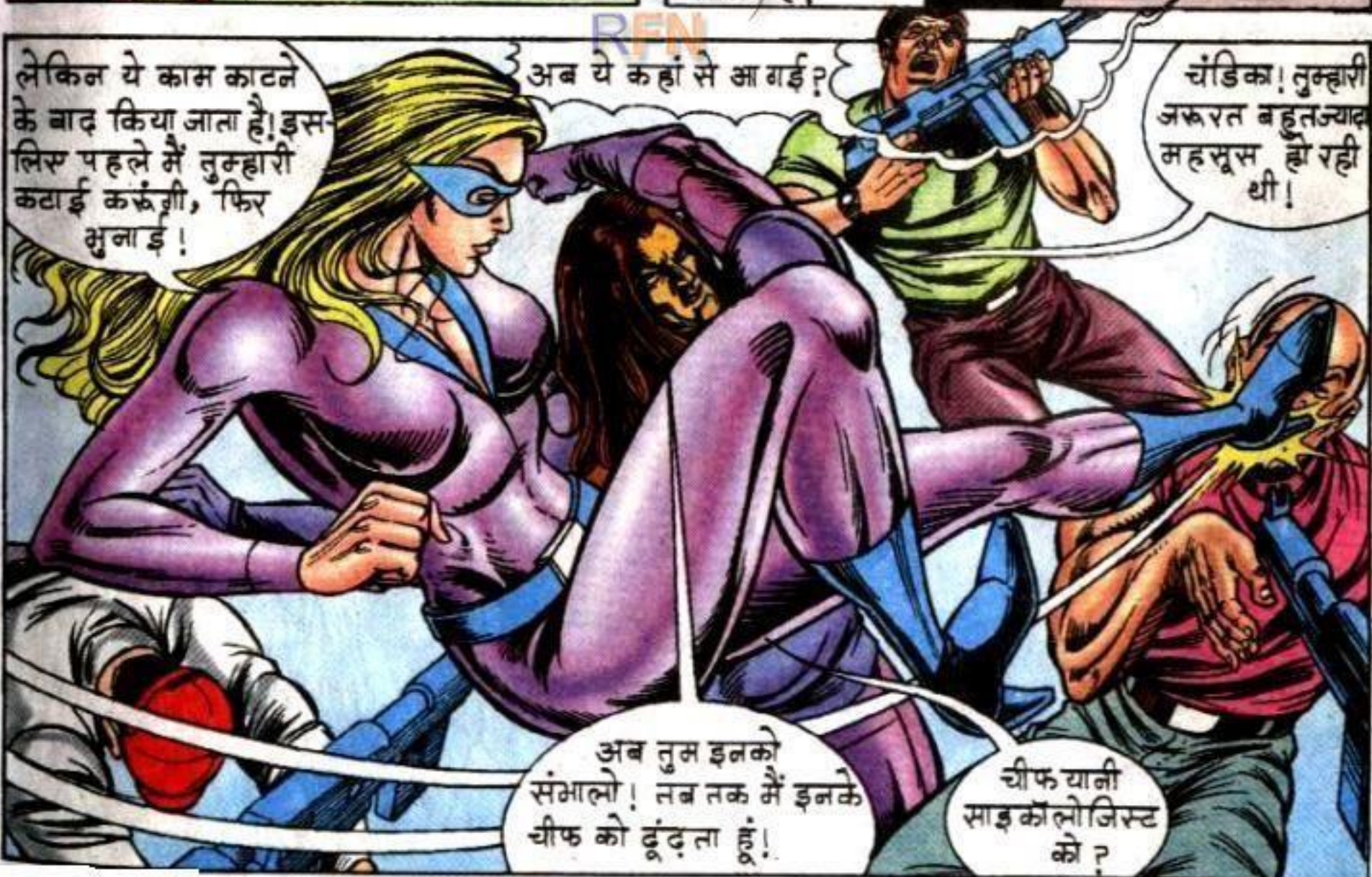
नहीं! साइकॉलोजिस्ट अपनी किसी योजना को अंजाम देने के लिए यहां से जा चुका है! और उसका मकसद इन गुंडों का चीफ कठपुतला जानता है! वह यहीं कहीं पर छुपा हुआ है, और अपने आदमियों को इन स्पीकरों के द्वारा निर्देश दे रहा है!
पर उसको तुम ढूंढोगे कैसे? वह तो इतने बड़े फॉर्म हाऊस में कहीं पर भी हो सकता है!
इस लड़की को भी खत्म कर दो!
सही कह रहे हो तुम! वह हमको देख रहा है! पर कहां से!
नहीं चंडिका! वह कहीं आसपास ही है!
क्योंकि वह मेरी हर हरकत को देख रहा है!
अभी पता चल जाएगा!
बस ये बक-बक करता रहे!
फरिश्ता के हाथों से भालों की तरह छूटे, तने के तेज टुकड़े स्पीकरों को एक-एक करके नष्ट करते चले गए-
अरे! लड़की को छोड़ इस पर ध्यान मत दे! इस फरिश्ते से... कर्ररररड़ड़ड़!
कड़ाक
और स्पीकरों के माध्यम से फॉर्म हाऊस के हर कोने से गूंजती वह आवाज-
एक जगह पर सिमट गई-
पहले निपट! ये नया सुपर हीरो ज्यादा बड़ा खतरा है!
आवाज उधर से आ रही है! इस खड़ी फसल के बीच से!
मैं कठपुतला के पीछे जा रहा हूं, चंडिका!
यही पहुंचाएगा हमको साइकॉलोजिस्ट तक!

कहानी 19 पेज से जारी

अरे! ये... ये क्या? एकाएक खेत में दर्जनों 'काग भगौड़े' खड़े हो गए हैं! और ये मुझ पर हमला भी कर रहे हैं!

मुझको इस हमले से बचते हुए इन तक पहुंचना होगा!

और यह काम इस खड़ी फसल में छुपकर आराम से किया जा सकता है!

और ऊपर आया तो गोली से! जिस तरह से मरना चाहता है वह तरीका चुन ले!
ओफ! इनमें से कोई एक कठपुतला है, और वह कौन है यह पता करना बहुत मुश्किल है! खैर पहले तो मुझको भी इनकी गनों का जवाब देना है! ऐसा हथियार ढूंढना है जो दूर तक वार कर सके!
और इस काम में यह ट्यूबवैल मेरी मदद करेगा। अब तक ये अफीम की खेती को पानी देता था! आज ये साइकॉलोजिस्ट के इरादे पर पानी फेरेगा।
ट्यूब वैल के पानी की तेज धार हमलावरों पर पड़ी और-
अरे! इनमें से तो चिंगारियाँ फूट रही हैं। यानी कि ये मशीनी काग भगौड़े हैं! रोबोटिक कठपुतले!
अब मेरे लिए कठपुतला को ढूंढना आसान हो गया है!
चड़ चड़
जिस कागभगौड़े पर पानी डालने से चिंगारी नहीं चीख निकले वह असली कठपुतला है!
आऊ sss गड़ब!
वो रहा!
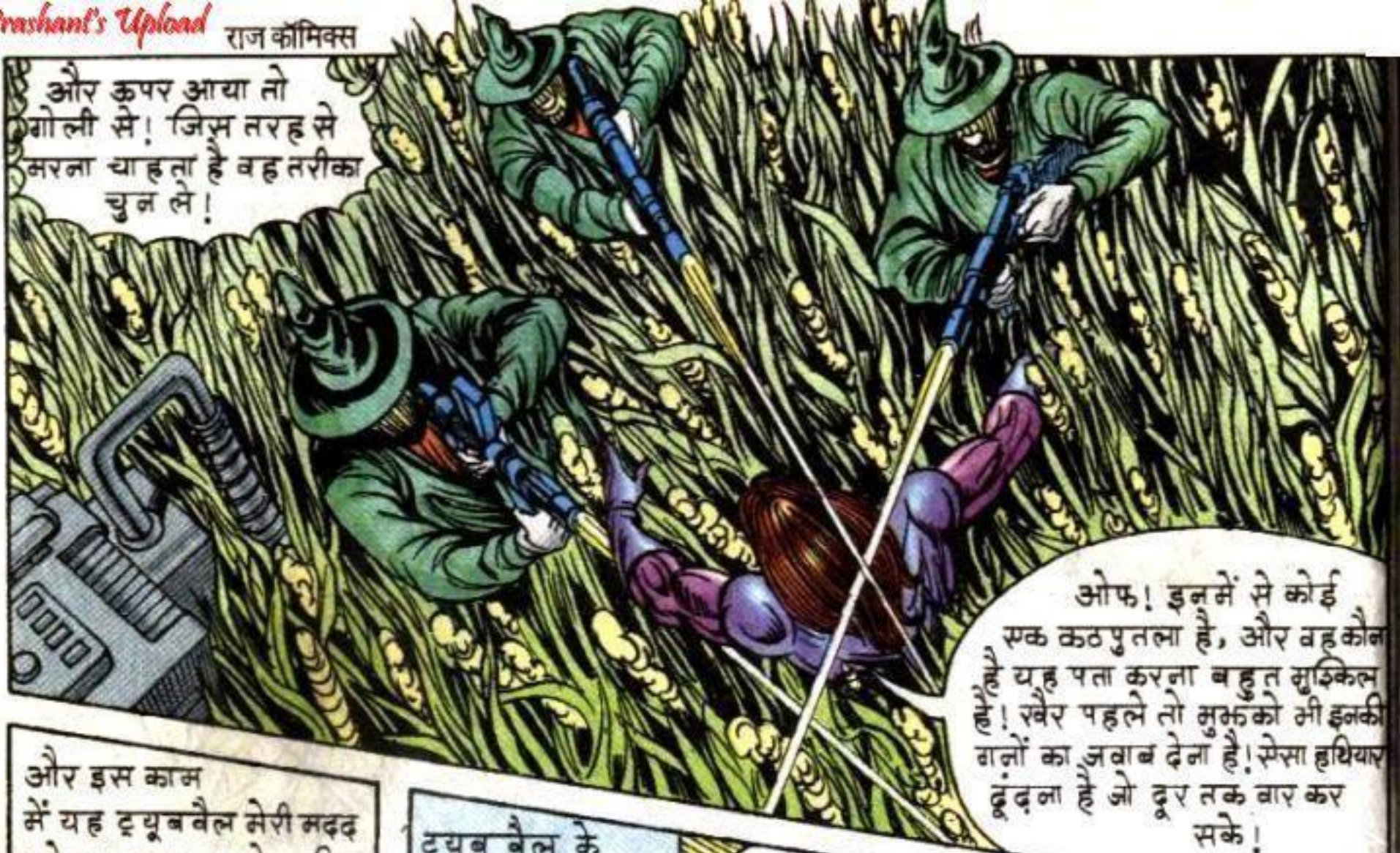
एकदम कमाल है! फरिश्ता ने क्या चाल चली है! मैं तो इसकी फैन हो गई हूं! पर इससे यह पूछने का मौका कब मिलेगा कि ये आखिर है कौन!
मुझको ढूंढकर तूने अपनी मौत को ढूंढ लिया है फरिश्ता!
कागभगौड़े का काम है फसल को चुगने आने वाली चिड़ियों को डराकर भगाना!
और कठपुतले का काम है इस फॉर्म हाउस में बिना बुलाए आने वाले मेहमानों को दुनिया से भगाना! डरा कर!
अब तुम्हारे डरने के दिन शुरू हो गए हैं, कठपुतला! अब तुम जब कभी मेरा नाम भी सुनोगे तो डर से थर-थर कांपने लगोगे!
बताओ, कहां पर है तुम्हारा बॉस साइकॉलोजिस्ट और क्या है उसका इरादा?

इसी वक्त- राजनगर में ही किसी अज्ञात स्थान पर-

बॉस! फरिश्ता अभी तक जिन्दा है। उसने आपके रोबोट कागभगौड़ों को बेकार कर दिया है और अब वह कठपुतला तक पहुंच गया है!

इसकी मदद-गार चंडिका भी हमारे गनर्स को एक-एक करके रास्ते से हटाती जा रही है!

फरिश्ता कठपुतला तक नहीं अपनी मौत तक पहुंच गया है। अब ये सिरदर्द बनता जा रहा है! चंडिका से तो मैं निपट ही लूंगा पर फरिश्ता को पहले खत्म करना बहुत जरूरी है!

अब क्या होगा?

अब कठपुतले को अपने इशारे पर नचाने का समय आ गया है! जील- कून- दो का फाइटिंग प्रोग्राम लोड करो!

अभी लो बॉस!

NEWS

ये लो बॉस! प्रोग्राम लोड हो गया!

गुड! अब मुझको इस 'जॉय- स्टिक' से वीडियो गेम खेलने दो!

लेकिन मैं भी मार्शल आर्ट्स का उस्ताद हूं! इसका कोई भी दांव ...
... मुझ पर नहीं चलेगा! ओह!
कमाल है! मैंने इसके वार को समझ तो लिया था लेकिन फिर भी मैं वार बचा नहीं पाया!
इसके अंदर एकाएक ऐसी तेजी कहां से आ गई?
इससे निपटने के लिए मुझे भी अपनी स्पीड को बढ़ाना होगा!

फरिश्ता की फुर्ती बिजली को भी शर्मिन्दा कर रही थी-
आऊsss
ठाड़ंक
लेकिन शायद ये भी कठपुतला को काबू में करने के लिए काफी नहीं थी-
क्योंकि कठपुतला की फुर्ती और गति इंसानी शरीर की क्षमताओं से भी आगे निकलने वाली थी-
फरिश्ता अभी भी कठपुतला पर भारी पड़ रहा है! फाइट का 'लेवल' और 'स्पीड' दोनों ही बढ़ा दो!
आsss ह! ये क्या चक्कर है? अब तो मेरी आँखें भी इसकी हरकतों को देख नहीं पा रही हैं! इसमें इतनी फुर्ती कहां से आ गई?
STAGE 8
LEVEL 50
बढ़ा दी बॉस! अब आप इसको 'टर्बो स्पीड' पर लड़वा सकते हैं!
मैं अपनी स्पीड को और भी बढ़ा सकता हूं, फरिश्ता।
किसी भी स्तर पर ले आ सकता हूं।

लेकिन तुम इंसानी शरीर की हदों से आगे नहीं बढ़ सकते!
ओSSS ह!
ये कुछ चाल चल रहा है! कोई भी इंसान इतनी फुर्ती से वार नहीं कर सकता है!
धड़ाक
अगर मैं इसकी फुर्ती का मुकाबला नहीं कर सकता!
तो मुझे इसकी फुर्ती को ही इसकी कमजोरी बनाना पड़ेगा!
इंसान में एक कमजोरी होती है! उसकी फुर्ती जितनी बढ़ती जाती है उसका संतुलन उतना ही कम होता जाता है!...
... और इस संतुलन को असंतुलन में आराम से बदल सकती है!...
... ये गोल-गोल गोलियां!
रपिटाSS
कठपुतला, वार करने के दौरान अपना संतुलन कायम नहीं रख सका-

और अगले ही पल फरिश्ता की किक ने कठपुतला के चेहरे का रुख मोड़ दिया-

फरिश्ता कठपुतला की स्पीड का मुकाबला नहीं कर पाया तो उसने लड़ाई का रुख ही मोड़ दिया! अब ये कठपुतला पर भारी पड़ रहा है!

अब मुझको भी लड़ाई का रुख पलटना होगा!

वर्ना कठपुतला बेमौत मारा जाएगा और उसकी हार मेरी हार होगी!

अगले ही पल- फॉर्म हाऊस में-

ओफ़्! ये भूसे की फुहार! भूसे के महीन रेशे मेरी नाक में घुस रहे हैं!

आक् छीं! आऽऽऽ क् छीं ऽऽऽ

कठपुतला को एक बार फिर फरिश्ता पर हावी होने का मौका मिल गया था-

तड़ाक

और अब एकाएक लड़ाई का रुख पलट गया था-
फरिश्ता किसी बच्चे की तरह मार खा रहा था-
आऽऽऽ ह!
लेकिन अब तक चंडिका भी सभी गुंडों को निपटाकर फ्री हो गई थी-
ये अचानक फरिश्ता को क्या हो गया है! माना कि कठपुतला के वार करने की गति अमानवीय है...
...लेकिन फिर भी फरिश्ता अपना बचाव तो कर ही सकता है!
अभी यह लड़ाई और नाटकीय होने वाली थी-
नहीं! ब... बस! मुझे और मत मारो! मत मारो मुझे!
तू जान की भीख मांग रहा है, इसीलिए कठपुतला तुझको तड़पाकर नहीं मारेगा! अब मैं तुझको एक आसान सी मौत दूंगा! और वह भी फटाफट!
नहीं! मुझको छोड़ दो! जाने दो मुझे!
ये हो क्या रहा है? फरिश्ता जान की भीख मांग रहा है!
मुझे तो अपने कानों पर विश्वास नहीं हो रहा है। ये क्या फरिश्ता की कोई चाल है?
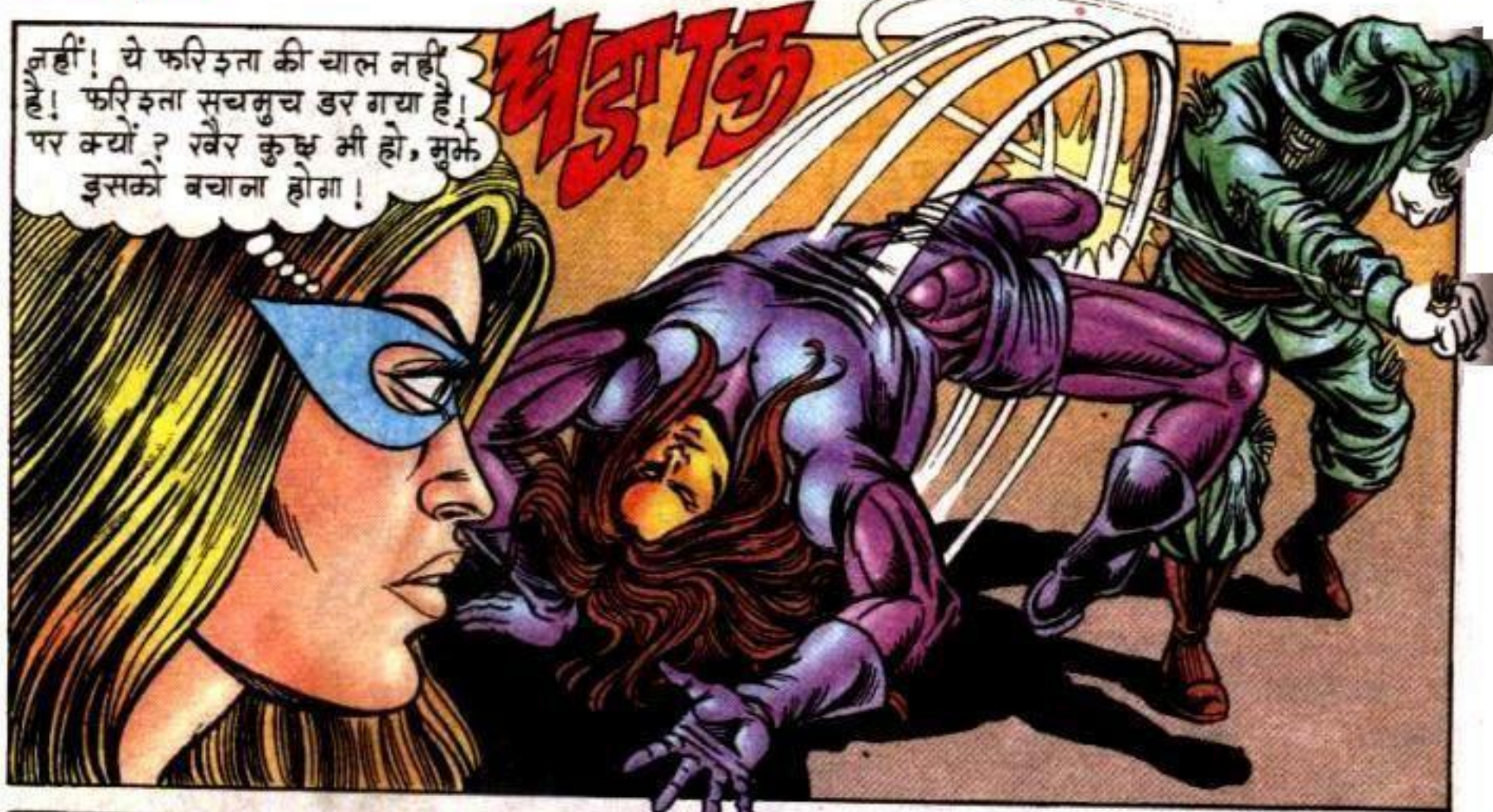
नहीं! ये फरिश्ता की चाल नहीं है! फरिश्ता सचमुच डर गया है! पर क्यों? खैर कुछ भी हो, मुझे इसको बचाना होगा!
धड़ाक
चंडिका, फरिश्ता को बचाने के लिए आगे तो बढ़ी-
लेकिन वह कठपुतला की फुर्ती का मुकाबला नहीं कर पाई-
आऽऽऽह!
धम्म
ये क्या है?
ये तो एंटीडोट है! किसी भी नशे के लिए! और इसके रैपर पर डॉक्टर सलमानी का नाम है!
ऐसा होना असंभव तो नहीं पर मुश्किल जरूर है! यह शीशी जरूर फरिश्ता के पास से गिरी है! अभी कठपुतला ने उसको यहीं पर पटका था!
ये शीशी यहां पर कैसे आई?
क्या डॉक्टर सलमानी का साइकोलोजिस्ट से कुछ संबंध है?
पर फरिश्ता को डॉक्टर सलमानी से एंटीडोट लाने की क्या जरूरत पड़ गई?
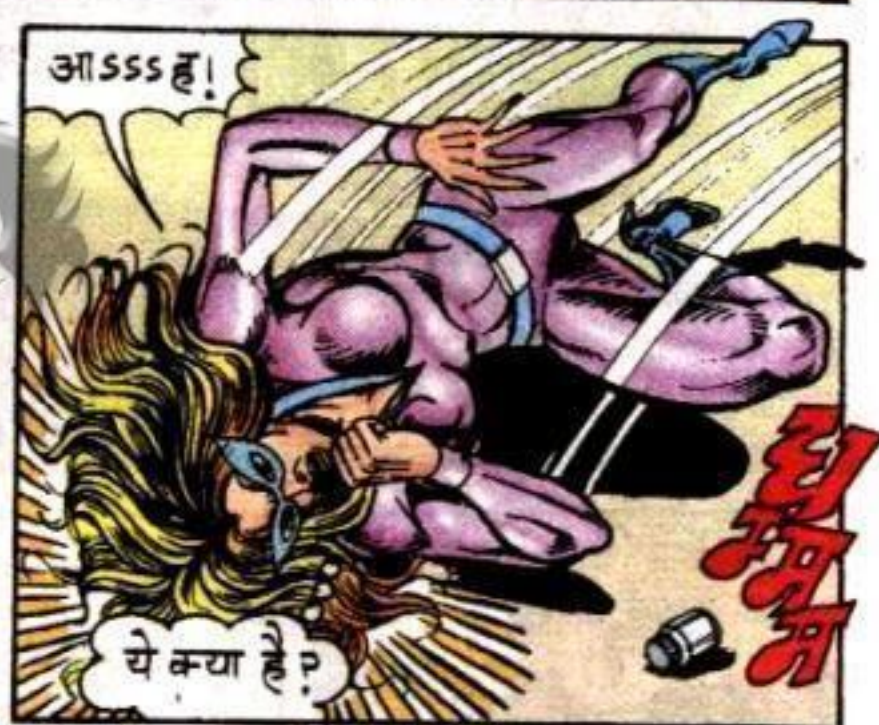
Prashant's Upload
फरिश्ता
इसका एक ही कारण हो सकता है! फरिश्ता को साइकॉलोजिस्ट की तरफ से वैसे ही 'नशीले हमले' की आशंका थी जैसा हमला साइकॉलोजिस्ट ने ध्रुव पर किया था! इसीलिए फरिश्ता, डॉक्टर सलमानी के पास जाकर नशीली दवाइयों की ये 'यूनिवर्सल एंटीडोट' लेकर आया होगा! पर यहां पर न तो साइकॉलोजिस्ट मिला और न ही वैसा कोई नशीला हमला हुआ जिसकी फरिश्ता को आशंका थी! इसीलिए इस 'एंटीडोट' का काम ही नहीं पड़ा! और... अरे!
तड़ाक
अब मुझको समझ में आया! हमला तो हुआ है! फरिश्ता भूसे की फुहार पड़ने के बाद से ही डर दिखा रहा है! ऐसा तो सिर्फ तभी हो सकता है जब दिमाग पर कोई दवाई असर करे! भूसे में जरूर कोई ऐसी ही दवाई मिली होगी जो सांस के रास्ते फरिश्ता के शरीर में चली गई है और उसके दिमाग में डर का असर पैदा कर रही है!
और ये दवाई उस नशीले पदार्थ का असर काटकर फरिश्ता के दिमाग से डर के एहसास को खत्म कर देगी!
दवाई, मास्क के होंठों से रिसकर फरिश्ता के मुंह के अंदर प्रवेश करने लगी-
और नशीले पदार्थ का असर हटने लगा-
हट रास्ते से! तू क्यों फरिश्ता और मौत के बीच में आकर खड़ी हो गई है? ऐसा करेगी तो मौत पहले तुझे ले जाएगी!
चल हट! पहले फरिश्ता को मौत के घाट उतरने दे!
कठपुतला की आंखों से देख रहे साइकॉलोजिस्ट को यह आभास नहीं हो पाया था-

कि फरिश्ता के दिलो- दिमाग से डर खत्म हो चुका है-
आऽऽऽ ह! तू मुझ पर हमला कैसे कर रहा है? तुझे तो मुझसे डरना चाहिए!
कड़
कड़
कड़ाक
कड़
बस! बहुत हो गया डरना! अब मैं तुझको दुबारा कोई भी वार करने का मौका नहीं दूंगा!
अंदर से कुछ कड़कड़ाने की आवाजें आई हैं! लगता है कि इसकी हड्डियां चटक गई हैं!

अभी इसके बदन के ऊपर से भूसे का खोल उतारकर देखता हूं कि इसकी कौन-कौन सी हड्डियां टूटी हैं! और अब भी अगर इसने साइकॉलोजिस्ट का पता नहीं बताया तो मैं इसकी साबुत हड्डियां भी तोड़ दूंगा!

कमाल है! ये तो आराम से खड़ा हो रहा है! यानी इसकी हड्डियां नहीं टूटी हैं! फिर क्या टूटा था?

मेरे 'नर्व कंट्रोल सिस्टम' के पॉवर प्वाइंट्स!

इस... इसका तो मुंह हिला तक नहीं है! फिर आवाज कहां से आई?

आवाज इसके कुर्ते के अंदर से आ रही है! कुर्ता उतारो इसका!

ओ गॉड! आवाज इसके सीने से बंधे स्पीकर से आ रही है! और इसका बदन तारों से घिरा हुआ है!

हा हा हा! इसीलिए तो इसका नाम कठपुतला! इसके न तो जुबान है और न ही कान!

जन्म से ही गूंगा बहरा है ये! इसके मुंह से साइकॉलोजिस्ट यानी मेरी आवाज आ रही है!

अब यहां पर रुकने का कोई फायदा नहीं है चंडिका! मुझे बचाने के लिए शुक्रिया! और हां! पुलिस को बुलाकर इन सभी गुंडों को उनके हवाले कर देना!
ठीक है! पर... पर सुनो तो फरिश्ता! तुम हो कौन? और... और अब हम साइकॉलोजिस्ट तक कैसे पहुंचेंगे? हम मिलेंगे कैसे?
मुझे तुम्हारे किसी भी सवाल का जवाब नहीं पता चंडिका! बस इतना पता है कि हम साइकॉलोजिस्ट को पकड़ेंगे जरूर!
जब पकड़ेंगे तब पकड़ेंगे! अभी तो पकड़े जाने का खतरा मेरे ऊपर मंडरा रहा है?
अगर मम्मी मेरे कमरे में आ गईं तो मेरी तो खैर नहीं है!
अब फटाफट पुलिस को फोन करके यहां से निकलती हूं!
सुबह-सुबह भइया के पास अस्पताल भी जाना होगा!
साइकॉलोजिस्ट का अड्डा तबाह होने की खबर अगली सुबह सभी तक पहुंच गई थी-
नशे का गोदाम तबाह, 14
मुख्य अपराधी साइकोलो
अभी भी पुलिस गिरफ्
सुपर हीरो फरिश्ता और
चंडिका ने दी शिकस्
ओह! आखिर फरिश्ता ने साइकॉलोजिस्ट का अड्डा तबाह कर ही दिया! पर इससे मेरी मुश्किलें जरूर बढ़ गई हैं!
अब मैं क्या करूं?
दैनिक जागरण
डॉक्टर सलमानी, गुड मॉर्निंग! अब कैसा है मेरा भइया?
नहीं, नहीं!
श्वेता! भइया ठीक है तुम्हारा! ओ.के.! ओ.के.!
थैंक गॉड! मैं थोड़ी देर उसके पास बैठती हूं!
203
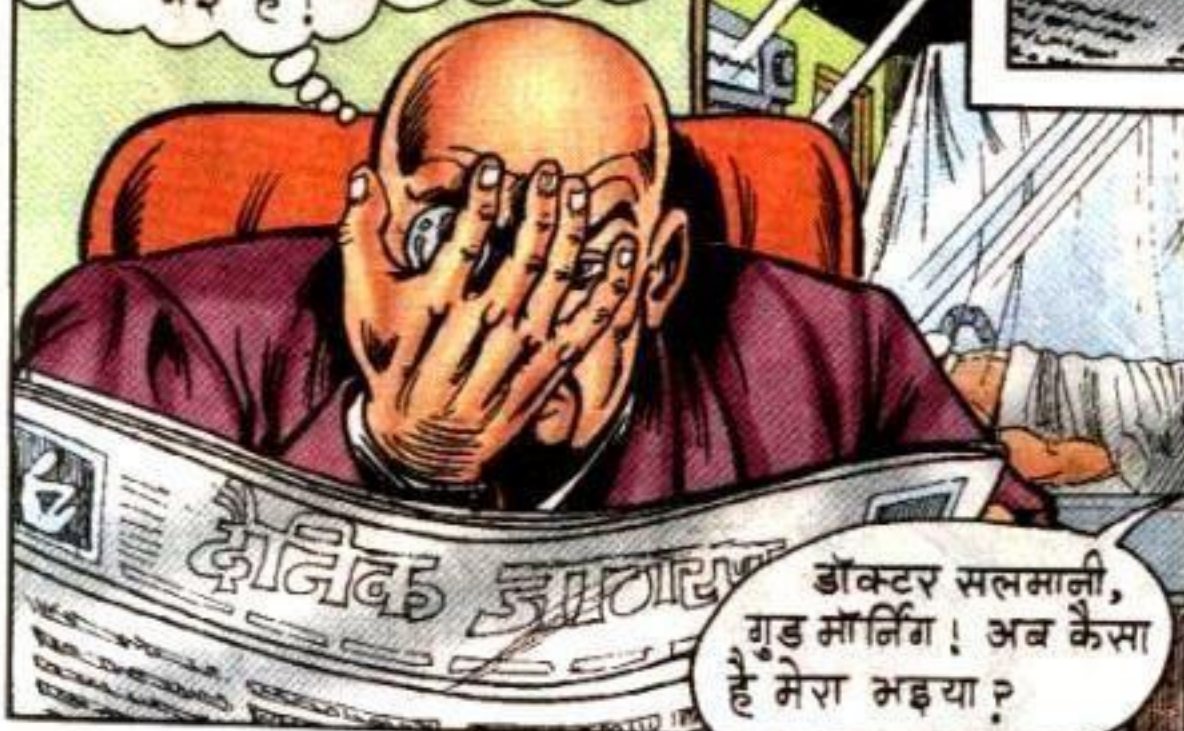
कहानी 35 पेज से जारी

अभी कोई भी ध्रुव के पास नहीं जा सकता!

पर क्यों? अरे! भइया को ऑक्सीजन दी जा रही है! इसका सिर भी ढका है! पर क्यों? कुछ हुआ है क्या? मुझे साफ- साफ बताइए डॉक्टर सलमानी!

वो श्वेता, रात को ध्रुव को थोड़ी प्रॉब्लम हो गई थी इसी-लिए मैंने फैसला लिया है कि उसके कमरे में किसी को न जाने दिया जाए! वर्ना ध्रुव को इंफेक्शन लग सकता है!

ओ समझी! आप डॉक्टर हैं! जो फैसला लेंगे, ठीक ही लेंगे!

पर ये तो बताइए कि फरिश्ता से आप कब मिले?

फरिश्ता? कौन फरिश्ता?

वही, जिसका स्केच पेपर में छपा है! नया सुपर हीरो! पिटे हुए गुंडों ने इसका हुलिया पेपर वालों और पुलिस को विस्तार से बताया था!

ओ, वो फरिश्ता! पर... पर तुमको कैसे पता कि वह मुझसे मिला था?

राज़ की बात है! मेरे एक रिपोर्टर दोस्त ने मुझे बताया है...

...कि फॉर्म हाऊस में एक दवाई की शीशी मिली थी! जिस पर आपका नाम लिखा था! अब आप विलेन के साथ तो हो नहीं सकते, तो जरूर हीरो के साथ ही होंगे! नए सुपर हीरो के साथ!

ह... हां! याद आया! वह कल रात को मेरे पास आया था! पर मुझसे एक एंटीडोट लेकर बगैर अपने बारे में कुछ बताए चला भी गया था!

श्वेता, कैसा है ध्रुव?

पापा! ध्रुव भइया ठीक हैं! पर किसी को भी उसके पास जाने की इजाजत नहीं है!

कमिश्नर साहब! कमिश्नर साहब!

मिस्टर और मिसेज घोष! आप यहां पर कैसे?
आपके ऑफिस से पता चला कि आप अस्पताल होते हुए घर जाएंगे तो हम यहां पर आ गए!
पर आपको मुझसे ऐसा कौन सा जरूरी काम आ पड़ा?
ये देखिए! पेपर में देखिए! हमें हमारे बेटे का पता मिल गया है! वह जिन्दा है!

हमारा बेटा परब ही नया सुपर हीरो फरिश्ता है!
ये आप कैसे कह सकती हैं?
भारत जागरण
ये ड्रेस मेरे बेटे ने अपने लिए बनाई थी। उसकी आलमारी में रखी थी।
पर उसके गायब होने वाली रात से ही यह पोशाक गायब है!

ओह! तो ये है परब के घर वापस न आने का कारण!
रास्ता दीजिए! किनारे हटिए!
इमर्जेंसी पेशेंट है!

अरे! ये...

ये तो परब है! हमारा बेटा!
कहां मिला ये?
ये राजनगर से पांच किलोमीटर दूर नदी के किनारे एक धोबी को बेहोश पड़ा मिला था! एक दिन तो उसने इसके होश में आने का इंतजार किया!
पर जब ये होश में नहीं आया तो इसने एंबुलेंस के लिए फोन किया और हम इसको यहां ले आए!
मेरा बच्चा जिन्दा है! मेरा बच्चा जिन्दा है!
शुक्र है भगवान का!

ओफ! ये मैं किस गुत्थी में उलझती जा रही हूं! मुझे तो अभी एक दूसरी ऐसी गुत्थी सुलझानी है, जिसमें शायद राजनगर-वासियों का भविष्य उलझा हुआ है!

मुझको साइकॉलोजिस्ट का भी पता लगाना है और उसके इरादों का भी! और वह भी जल्दी से जल्दी! और यह काम करने के लिए मुझको फिलहाल यहां से जाना होगा!

और वापस आना होगा चंडिका के रूप में!

और डॉक्टर सलमानी के खाली होने का इंतजार करना पड़ेगा! क्योंकि अब सिर्फ डॉक्टर सलमानी ही हमारी मदद कर सकते हैं!

परब के मां-बाप को तो तसल्ली हो गई डॉक्टर! पर मुझको ध्रुव के होश में आने पर ही शांति मिलेगी!

कमिश्नर! आप चिन्ता मत कीजिए। ध्रुव जल्दी ही होश में आ जाएगा!

मुझे बड़ी खुशी हुई कि आपने मुझे पहचान लिया!
तुम्हारे बारे में कई बार सुना है! आज भी पढ़ा है। और एक दो बार फोटो भी देखी है! पहचानना ज्यादा मुश्किल नहीं था! पर तुम बताओ। तुमको मुझसे क्या काम आ पड़ा है?
ध्रुव को होश में लाना है। किसी भी कीमत पर! वर्ना राजनगर पर साइकॉलोजिस्ट का राज हो जाएगा।
और वह राज, यमराज के राज से कम नहीं होगा!
म... मैंने एंटीडोट तो बना ली है... मेरा मतलब... लगभग बना ली है! अभी थोड़ा समय और लगेगा! उससे पहले ध्रुव होश में नहीं आ सकता!
ध्रुव को जगाना ही होगा डॉक्टर! क्योंकि ध्रुव चाहे कुछ करे न करे पर उसकी उपस्थिति ही साइकॉलोजिस्ट के होश उड़ाने के लिए काफी है!
म... मैं कोशिश करता हूं!
लेकिन साइकॉलोजिस्ट को तुम ढूंढोगी कैसे?
शायद वो फरिश्ता तुम्हारी कुछ मदद कर सके!
तब तो मुझे साइकॉलोजिस्ट से पहले फरिश्ता को ढूंढना पड़ेगा! क्योंकि मुझे खुद नहीं मालूम कि फरिश्ता कौन है और वह रहता कहां है!
पर साइकॉलोजिस्ट को ढूंढने का एक रास्ता है!
आप ध्रुव को होश में लाने की कोशिश कीजिए और मैं साइकॉलोजिस्ट को ढूंढ़ती हूं!
मैं जल्दी ही वापस आऊंगी! क्योंकि हमारे पास वक्त बहुत कम है!
ओफ़! मैं तो सोच रहा था कि मेरी परेशानियां जल्दी ही दूर हो जाएंगी!
लेकिन चंडिका ने तो मेरी मुसीबत और बढ़ा दी है! अब कैसे मैं ध्रुव को होश में लाऊं? कैसे?
ऐसा कोई राज था जो डॉक्टर सलमानी को लगातार परेशान कर रहा था-

दोनों तरफ से बिसातें बिछ चुकी थीं! चालें चली जानी शुरू हो गई थीं-
और दांव पर लगी थीं राजनगर वासियों की जिन्दगियां-
हा हा हा!
बन गया! बन गया! वह फार्मूला जो मुझे भगवान बना देगा! अब मैं उस चीज को कंट्रोल करूंगा जिसके बगैर इंसान जिन्दा रह ही नहीं सकता!
पर बॉस, इस फार्मूले से होगा क्या?
मैं इस मिश्रण की सिर्फ एक बूंद को इस 'कृत्रिम झील' में मिलाऊंगा, जहां से राजनगर के हर घर में पीने का पानी जाता है!
और फिर इस पानी को जो भी पिएगा...
... वह चौबीस घंटे के अंदर-अंदर पागल हो जाएगा। पर वह बच भी सकता है। अगर वह मुझसे इस फार्मूले की एंटीडोट को पैसे देकर खरीद ले! ऐसे या तो पूरा राजनगर पागल हो जाएगा या मुझे पैसे देकर मुझे दुनिया का सबसे अमीर डॉन बना देगा! डॉन साइकॉलोजिस्ट!
क्योंकि खाने के बगैर इंसान तो शायद जिन्दा रह ले, पर पानी के बगैर जिन्दा नहीं रह सकता।
...कम से कम पचास सालों की!
ये... ये नहीं हो सकता। तू मेरे वार से बचकर वापस नहीं आ सकता। कभी नहीं आ सकता!
जाली काटो!
तुम जाली नहीं सजा काटोगे...

तुम्हारे चिल्लाने से सच, झूठ में नहीं बदल जाएगा, साइ कॉलोजिस्ट! हमने तुम्हारा पूरा प्लान सुन लिया है! और उस प्लान पर पानी फेरने के लिए हम तैयारी करके आए हैं!
ये तो वक्त ही बताएगा, ध्रुव! पर तुम यहां तक पहुंचे कैसे?
जवाब मैं देती हूं! और जवाब है तुम्हारी मदद से!
जब तुम कठपुतला को अपनी आवाज का 'प्ले बैक' दे रहे थे तो बैक ग्राउंड में पानी गिरने की तेज गड़गड़ाहट आ रही थी! और साथ-साथ तुम ये दावा कर रहे थे कि तुम पूरे राजनगर का एक साथ गुलाम बनाने का प्लान बना रहे हो!
इन दोनों तथ्यों को जब हमने जोड़ा कि ऐसी कौन सी जगह हो सकती है जहां पर लगातार पानी गिरता हो, और जहां रहकर तुम राजनगर को अपना गुलाम बना सकते हो तो जवाब तुरन्त मिल गया!
वह जगह थी राजनगर का 'वाटर ट्रीटमेंट प्लांट'! बस हम यहां पर आ गए!
RFN

गुड थिंकिंग! लेकिन आज तुम्हारी सोच तुमको तुम्हारी मौत तक ले आई है। तू एक बार मेरी गैस का मजा ले चुका है, ध्रुव! हं हां, चौंक मत। जब तू पुल पर से परुब को बचाने के लिए कूद रहा था तो मैंने ही 'कैप्सूल गन' से तेरी नाक के आगे गैस से भरा कैप्सूल बम फोड़ा था! और उस बम ने तुझको लगभग मौत की नींद में सुला ही दिया था। पर शायद मेरे दुश्मन सलमानी ने तुझे बचा लिया!
फट्टाक
पर कोई बात नहीं। इस बार तुम तीनों पर ऐसी गैस का हमला होगा, जिसकी कोई काट है ही नहीं!
हा हा हा! अब तुम तीनों की ये नींद मौत की नींद बन जाएगी! और तुम्हारे बाद बारी आएगी राजनगर वासियों की!
हा हा हा! मेरा पहला वार ही ये मूर्ख सुपर हीरो और हेरोइन झेल नहीं पाए!
अब मुझे कौन रोकेगा?
काट दो जाली!

अब इस मिश्रण को इस टैंक में मिलाते ही मेरा काम हो जाएगा। कोई भी फिल्टर मेरे इस मिश्रण को पानी से अलग नहीं कर सकता! अब राजनगर वासी मजबूर होकर पानी पिएंगे और मेरे गुलाम बनेंगे!

गुलाम बनाने के जमाने गुजर गए, साइकोलोजिस्ट। पर तुम्हारा जेल में गुजरने वाला जमाना आ गया है!

मेरे फार्मूले की शीशी!

तु... तुम होश में ही हो! पर कैसे? कैसे बचे तुम मेरी गैस से?

हमने कहा था न कि हम पूरी तैयारी से आए हैं! और इस तैयारी में नाक में फिल्टर लगाकर आना भी शामिल था!

बेहोश होने का ड्रामा तो इसलिए कर रहे थे ताकि तुम हमारी तरफ से असावधान हो जाओ! और हम आराम से तुमसे ये फार्मूला छीन सकें!

छीन लो इनसे ये फार्मूला! ये मेरी जिन्दगी भर की मेहनत है! मेरा सपना है! चाहे तुम सबकी जानें चली जाएं, पर ये फार्मूला इनके हाथों में नहीं जाना चाहिए!

तो फिर इनकी जानें ही जाएंगी! क्योंकि फार्मूला तो अब तुमको मिलने से रहा!

वैसे मैं जरा कोमल दिल की हूं! मैं किसी को मार नहीं सकती! बस अधमरा करके छोड़ देती हूं!

लेकिन मैं किसी को अधमरा नहीं छोड़ता! दुश्मन के मरने के बाद भी उसकी मौत को पक्का करने के लिए उसकी लाश में मीट्स और गोलियां दागता हूं!
ओह! बचो चंडिका और ब्लैक कैट!
खुद बचेंगे तो राजनगर को हम कैसे बचाएंगे? वैसे साइकॉलोजिस्ट के सारे आदमी नशे के आदी हैं! इन पर हमारे वारों का कुछ खास असर होता दिख नहीं रहा है!
असर होगा! जरूर होगा ब्लैक कैट! नशा कुछ समय के लिए शारीरिक ताकत को तो बढ़ा सकता है लेकिन दिमाग को हमेशा के लिए कमजोर कर देता है!
इनको अपने दिमाग से हराओ...
दिमाग की लड़ाई साइकॉलोजिस्ट से लड़ोगे! अरे, साइकॉलोजिस्ट तो मनोविज्ञान का महान ज्ञाता है!
वह दुश्मन की चाल को भांप कर ऐसी काट तैयार करता है जो खुद दुश्मन की हार बन जाती है!

लेकिन दिमाग ध्रुव के पास भी कुछ कम नहीं था-
उसने लगातार गोलियां बरसाती बंदूक का जवाब ढूंढ़ लिया था-
और अपने बचाव की चीज को ही अपना हथियार बना लिया था-
दिमाग की इस लड़ाई में ब्लैक कैट भी पीछे नहीं थी।
ये गया...
...तेरे दुश्मन के क्या हाल हैं चंडिका ?
हाल का तो पता नहीं, लेकिन इसके बाल मेरे बड़े काम आ रहे हैं।
अब तुम्हारा हाल-चाल भी पूछ लें साइकॉलोजिस्ट! अरे! ये क्या?
अब तुम टैंक में क्या डाल रहे हो ?

राजनगर की लाइफलाइन यानी उसके पानी की पाइप-लाइन में अपना असली फार्मूला मिला रहा हूं! या कहो कि मिला चुका हूं! हा हा हा हा!
असली फार्मूला! पर... पर वह तो मेरे पास है!
तूने अपनी मौत को बुला लिया है, साइकॉलोजिस्ट! करोड़ों राजनगर वासियों की जान बचाने के लिए हम तुम्हारी जान ले भी सकते हैं!
इसीलिए भला चाहता है तो उस एंटीडोट को हमारे हवाले कर दे जिसे बेच-बेचकर तू खरबपति बनना चाहता है!
तेरा दिमाग मेरे नशे की डोज लेकर पिलपिला हो चुका है ध्रुव! वर्ना तू मेरी स्कीम को समझ जाता! अरे, मैंने तुम तीनों पर नशे की गैस का नहीं बल्कि परफ्यूम का कैप्सूल छोड़ा था! उसको सूंघकर तो बेहोश भी होश में आ जाता!
पर तुम तीनों ने जो बेहोश होने का नाटक किया, उसी से मैं तुम्हारा प्लान समझ गया था। बस, मैंने जेब से नकली फार्मूले की शीशी निकाली और जब तक तुम तीनों उसके लिए झगड़ते रहे तब तक मैंने अपना काम शांति से कर लिया!
मैं डर गया! मैं डर गया! ले लो! ले लो एंटीडोट!
ये क्या?
एक एंटीडोट तुम ले लो, और दूसरी तुम ले लो!
हा हा हा!
अरे, लोग तो अपनी आस्तीन में सांप छुपाकर रखते हैं!
लेकिन साइकॉलोजिस्ट अपनी आस्तीन में शॉकर को छुपाकर रखता है! वे शॉकर जिनसे पागल मरीजों झटका दिया जाता है! 440 वोल्ट का!

अब सिर्फ तू बचा है ध्रुव, और मेरे आदमी अब तक संभल चुके हैं!
और तेरे लिए मैंने एक खास आपानी का इंतजाम करके रखा है!
कर्राटा!
हाऽऽऽऽ
बड़ा सुन रखा था इसके बारे में! पर ये तो मेरे वारों के सामने टिक ही नहीं पा रहा है!
लगता है ये होश में आने के बाद लड़ने की कलाएं भूल चुका है! ये तो बस पिटता ही आ रहा है!
ओ गॉड! ये तो... आऽऽऽऽह!
तो मारो इसको! और मारो! सब मिलकर मारो!
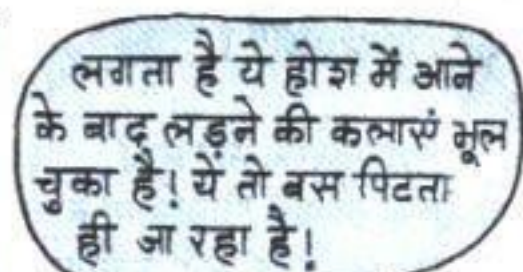
ध्रुव शायद सचमुच लड़ने की कला भूल चुका था! क्योंकि पहले ऐसे दर्जन भर गुंडे भी उसके सामने दो मिनट से ज्यादा नहीं टिक सकते थे-
लेकिन इस बार उसको मार खाते हुए ही दो मिनटों से ज्यादा हो चुके थे-
और चंडिका तथा ब्लैक कैट अभी संभल ही रहे थे-
इस वक्त न तो राजनगर को बचाने वाला कोई था और न ही ध्रुव को-
या शायद था-
ई या या याssss
पानी में भी जहर धीरे-धीरे फैलता जा रहा था! जल्दी ही ये पानी राजनगर के हर घर में पहुंचने वाला था-
और उन सबको एक निश्चित मौत से बचा सकने वाला फिलहाल खुद ही मौत से बचने की कोशिश कर रहा था-
फरिश्ता! ये कहां से आ गया? मैं तो समझा था कि ध्रुव के आने के बाद अब और कोई सुपर हीरो नहीं आएगा!
खत्म कर दो इसको भी!
पानी में तो मेरा फार्मूला घुल ही चुका है! आज राजनगर और ध्रुव के साथ-साथ फरिश्ता की कहानी भी खत्म हो जाएगी!
वेलकम फरिश्ता! अब हम भी तुम्हारी मदद करेंगे!
नहीं चंडिका! मैंने सुना है कि पानी में जहर घुल चुका है!
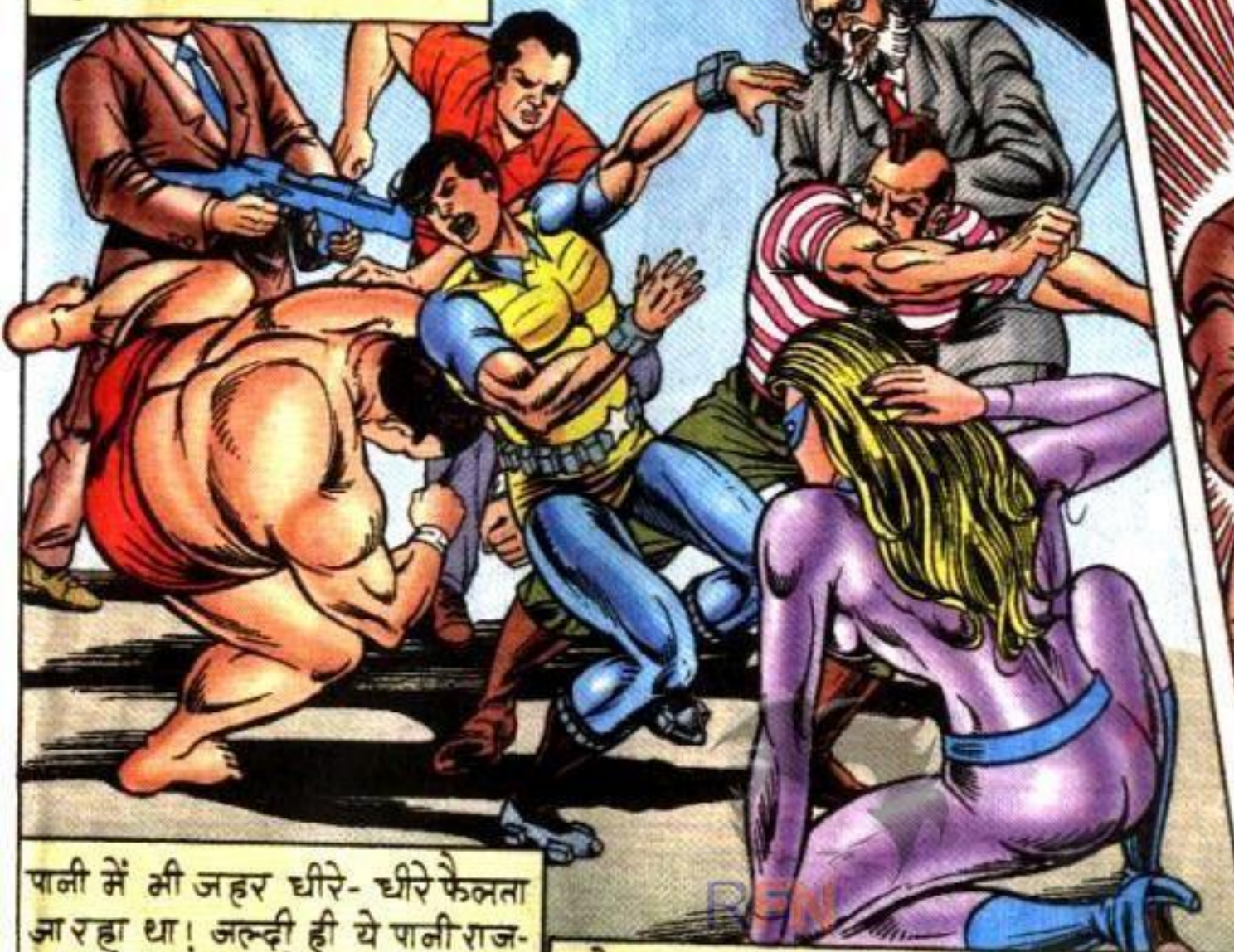
तुम दोनों जाकर पंपिंग-स्टेशन के सारे पंप और 'ट्रांसमिशन-वाल्व' बंद कर दो! ये जहरीला पानी राजनगर के एक भी घर में नहीं पहुंचना चाहिए!
ओ.के. फरिश्ता!
ये ख्याल तो हमारे दिमाग में आया ही नहीं था!
आ ह!
मुझे पता था कि इनका अगला कदम यही होगा!
इसीलिए मैंने यह इंतजाम भी कर रखा है कि ये ऐसा न कर सकें!
ओफ्! फरिश्ता वह काम कर रहा है जिसकी आशंका मुझे ध्रुव से थी!
ऐसी फुर्ती के सामने तो कराटा भी टिक नहीं पाएगा!
मुझे कुछ करना होगा! इसको अपने शॉकर का सबसे तगड़ा झटका देना होगा! 50,000 वोल्ट का!
ये झटका फरिश्ता को पंगु बना देता-
अगर-
अरे! ध्रुव ने झटके को अपने शरीर पर झेल लिया! लेकिन ध्रुव फरिश्ता के लिए अपनी जान खतरे में क्यों डाल रहा है?
अरे! इसके चेहरे से पर्तें उखड़ रही हैं! ये ध्रुव नहीं है!

ब्लैक कैट के सामने भी समस्या थी-

पंपिंग रूम का ताला बंद है! ये काम जरूर साइकोलोजिस्ट का ही है!

MOTOR ROOM

और ये दरवाजा इतना मजबूत है कि इसको तोड़ना बहुत मुश्किल है!

उम्मफ!

अब मुझको अपने फार्मूले की एंटीडोट खुद दे दो! वर्ना मैं तुमको इसी झील में डुबो दूंगा और तुम्हारी जेबों में रखी एंटीडोट अपने आप इस झील के पानी में मिल जाएगी!

तुम्हारा कराटे भी गया साइकोलो-जिस्ट!

तो फिर आओ! इनमें से एक शीशी एंटीडोट की है! पर जरा संभल कर लेना!

बाकी सभी शीशियों में इतना जहर भरा है कि कोई एंटीडोट भी उनका असर काट नहीं पाएगा!

वह शीशी कौन सी है ये तुम खुद बताओगे, साइकोलोजिस्ट! चाहे टूटे मुंह से बताओ!
हा हा हा और मारो! पर याद रखो!
इधर तुम मुझे मार रहे हो और उधर मौत राजनगर की तरफ बढ़ती जा रही है!

रास्ता निकालने वाले तो सम्मोहित हो गए थे-
हा हा हा! अब तुम तीनों जमीन पर झुक-कर अपनी नाकें मेरे सामने रगड़ो! झुको... झुको!
झुको!
ईं या ऊ SSSSS
अरे! तुम पर हिप्नोटिक बीम का असर क्यों नहीं हुआ?
मुझ पर भी कोई असर नहीं हुआ है साइकोलोजिस्ट! मेरी घड़ी ने मेरी आंखों को ढक-कर मुझे तुम्हारी लेजर बीम से बचा लिया! और अब तुम्हारे सवाल का जवाब मैं देता हूं!
पर फरिश्ता को ये इंजेक्शन लगाने के बाद! जिसमें तुम्हारी नशे की गैस की एंटीडोट भरी हुई है!
फरिश्ता को? पर फरिश्ता पर तो मैंने कोई गैस छोड़ी ही नहीं!
फरिश्ता जिस शख्स का नाम है, उसको पहले तुम ध्रुव के नाम से जानते थे! ध्रुव ही फरिश्ता है!
ध्रुव? फरिश्ता? दोनों एक ही हैं! पर कैसे? कैसे?
ध्रुव तो अपने कोमा से होश में आ गया है! अब जब तुम होश में आओगे तब तुमको भी इस सवाल का जवाब दे दूंगा!
दरअसल अब तक ध्रुव का सिर्फ अचेतन मस्तिष्क जागा हुआ था! और सम्मोहन का असर सिर्फ चेतन मस्तिष्क पर होता है!

पर असली बात मुझे तब समझ में आई जब फरिश्ता मेरे पास एंटीडोट लेने आया था! फरिश्ता के जाने के बाद जब मैंने ध्रुव का बिस्तर देखा तब वह खाली था! मैं समझ गया कि ध्रुव ही फरिश्ता बन गया है! उसकी पहले की रीडिंग मृत जैसी इसीलिए थी क्योंकि उस वक्त ये यंत्र ध्रुव के शरीर से जुड़े ही नहीं थे! नर्स के सोते समय ध्रुव फरिश्ता बनने के लिए वहां से जा चुका था और उसके जागने से पहले वापस भी आ गया था-

यह मनोविज्ञान का रहस्य है। जब ध्रुव कोमा में चला गया तब उसके अंदर की ध्रुव की शख्सियत तो सो गई, लेकिन उसका मानस फिर भी साइकॉलोजिस्ट को रोकने के लिए कटिबद्ध था! इसीलिए इसने उस फरिश्ता का रूप ले लिया जो परख ने उसको बताया था! और इस दौरान ध्रुव फरिश्ता बनकर साइकॉलोजिस्ट को रोकता रहा-

लेकिन फिर वह कौन था जिसको लोग हॉस्पीटल में ध्रुव की जगह पर लेटा देख रहे थे!

एक दूसरा कोमा का पेशेंट! और भगवान की कृपा से उसकी शक्ल और कदकाठी काफी कुछ ध्रुव से मिलती जुलती थी! मैंने ध्रुव की जगह उसको ही बिस्तर पर लिटा दिया था!

समझी! यानी इस पूरे घटनाक्रम के दौरान ध्रुव मानों नींद में चल रहा था!

बिल्कुल सही समझी! चंडिका! इस दौरान उसका चेतन नहीं, अचेतन मस्तिष्क उसको चला रहा था!

अगर इंसान की इच्छाशक्ति दृढ़ हो तो वह कोमा में रहते हुए भी अपराधियों का नाश कर सकता है!

और ध्रुव इसकी जिन्दा मिसाल है!

समाप्त.